शनिवार

18 अप्रैल 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 84
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

# दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

# शिक्षा के नाम पर डकैती

## दून में स्कूल बने पैसा उगाही केंद्र

विशेष संवाददाता

देहरादून। संविधान भले ही हर बच्चे को शिक्षा का मौलिक अधिकार देता हों और देश तथा प्रदेशों की सरकारों द्वारा स्कूलों के लिए सख्त नियमावली बनाई गई हो लेकिन शिक्षा के व्यवसाय को रोकने में शासन-प्रशासन की नाकामी के कारण आम आदमी के बच्चों को उनके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण पहलू से वंचित होना पड़ रहा है क्योंकि सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर शून्य हो चुका है तथा निजी स्कूलों की शिक्षा इतनी महंगी है कि आम तो क्या खास लोग भी इसका बोझ सहन नहीं कर पा रहे हैं ऊपर से निजी स्कूलों की मनमानी अभिभावक के लिए जी का जंजाल बनी हुई है।

उत्तराखंड की राजधानी दून जिसे शिक्षा के लिए देश-विदेश तक जाना जाता था उसका हाल तो इतना बिगड़ चुका है कि यहां एक आम आदमी अपने बच्चों को शिक्षा दिलाने की बात सोच भी नहीं सकता है। शिक्षा के आधुनिकीकरण के नाम पर आए दिन स्कूल तो खोले जा रहे हैं लेकिन इन स्कूलों में शिक्षा के नाम पर जो लूट हो रही है वह आश्चर्यजनक है। इस साल राजधानी दून में छोटे बच्चों के लिए खुलने वाले दो स्कूलों जिसमें से एक का नाम है द सनराइज और दूसरे का नाम है टर्क्वोइज। छोटे बच्चों के लिए इस साल खुलने वाले इन दोनों स्कूलों द्वारा जारी किए गए प्रोस्पेक्टस पर एक नजर डाली जाए तो इन स्कूलों में आवेदन का शुल्क 5000 है, आपके बच्चे का दाखिला होगा या नहीं यह अलग बात है। रजिस्ट्रेशन शुल्क तो 5000 देना ही होगा। फ्री फाउंडेशन से लेकर कक्षा 2 से 5 तक आपके बच्चे को यह क्या शिक्षा देंगे? यह तो अलग बात है अगर बच्चे को स्कूल भेजने के लिए मां-बाप को एडमिशन फीस के नाम पर 50 और 75 हजार वसूल जरूर करेंगे मंथली फीस जो हजार से लेकर 9000 तक होगी वह तो होगी ही इसके अलावा एनुअल (वार्षिक) फीस के नाम पर भी 10-15 हजार वसूले जाएंगे। सवाल यह है कि किसी भी निजी क्षेत्र में काम करने वाला एक आदमी जो 15 से 20 हजार तक ही कमाता है। इन आधुनिक विद्यालयों में अपने बच्चों को शिक्षा दिलाने की सोच भी नहीं सकता है। इसके ऊपर से बच्चों की ड्रेस व स्कूल भेजने का खर्चा अलग।

**THE SUNRISE JUNIOR SCHOOL**

Canal Road, Inderbaba Marg, Dehradun
www.thesunrisejuniorschool.com

**FEE STRUCTURE (Session 2026-27)**

| | | |
|---|---|---|
| Registration Charge | One Time | 5,000 |
| Admission Fee | One Time | 51,000 |
| Annual Fee | Annually | 15,000 |

**Tuition Fee Schedule**

| Class | Monthly | Quarterly |
|---|---|---|
| Foundation | 7500 | 22,500 |
| Nursery | 8000 | 24,000 |
| K1 | 8,500 | 25,500 |
| K2 | 9,000 | 27,000 |

**School Facilities: -**

We at Sunrise believes to offer complete safety, security and focus on the wholesome development of the children so that; upcoming champions can prepare themselves freely without Fear

- Hot & Cold Swimming Pool
- Centralised A/C (Hot & Cold)
- Travels to learning centres in a 5km zone / day trips
- Teacher to student ratio in KG Section: 1:15 (with 01 maid)
- All classes are equipped with Smart Classes
- Entire School campus is under "CCTV Camera Surveillance"
- Play station for Students
- Furniture from **POPCORN Brand.**
- Birthday celebration
- Sensory labs
- Day Care facility (Charges separate)
- Smart Classes
- We focus on the wholesome development of the students focusing on –
  - Motor Skills
  - Sensory Skills
  - Communication skills
  - Cognitive (problem)
  - Socio -emotional
  - Numeracy

**TURQUOISE EARLY YEARS**

FEE STRUCTURE FOR THE ACADEMIC SESSION 2026–27

One-Time & Annual Charges

| Fee Component | Amount (₹) |
|---|---|
| Registration Fee (Non-Refundable) | ₹ 5,000 |
| Admission Fee | ₹ 75,000 |
| Annual Fee | ₹ 15,000 |
| Security Deposit (Refundable) | ₹ 10,000 |

Tuition Fee Structure

| Toddler Programme | |
|---|---|
| Payment Cycle | Amount (₹) |
| Monthly | ₹ 7,000 |
| Quarterly | ₹ 21,000 |
| **Programme: Pre-Nursery** | |
| Payment Cycle | Amount (₹) |
| Monthly | ₹ 7,500 |
| Quarterly | ₹ 22,500 |
| **Programme: Nursery** | |
| Payment Cycle | Amount (₹) |
| Monthly | ₹ 8,000 |
| Quarterly | ₹ 24,000 |
| **Programme: Junior KG** | |
| Payment Cycle | Amount (₹) |
| Monthly | ₹ 8,500 |
| Quarterly | ₹ 25,500 |
| **Programme: Senior KG** | |
| Payment Cycle | Amount (₹) |
| Monthly | ₹ 9,000 |
| Quarterly | ₹ 27,000 |

*Important Notes*

- The admission fee is non-refundable once paid.
- A sibling concession of ₹10,000 is applicable on the admission fee.
- Tuition fees may be paid online through the School Fee Portal or in person at the Accounts Office.

बीते कल की ही बात है जब प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता प्रीतम सिंह ने डीएम दूनं सविन बंसल से मिलकर निजी स्कूलों की मनमानियों और वसूलियों को लेकर लंबी बातचीत की। दून में आए दिन इन स्कूलों के प्रबंधको और अभिभावकों के टकराव वह तकरार की खबरें तो आम हो गई हैं। सवाल यह है कि देश की शिक्षा व्यवस्था की इस दुर्दशा के लिए क्या सरकारे जिम्मेदार नहीं है? जब दुर्दशा हो ही चुकी है तो इसको ठीक कैसे किया जा सकता है? क्या भारत में भी नेपाल की तरह सभी निजी स्कूलों तथा कोचिंग सेंटरों पर बैन लगाकर स्थिति को सुधारा जा सकता है?

दून वैली मेल

## संपादकीय

# संसद और संविधान का मजाक

केंद्र की भाजपा सरकार ने 2023 में महिलाओं को राज्यों की विधानसभाओं और लोकसभा में 33 फीसदी आरक्षण के लिए जो कानून (बिल) लाया गया था उसे कल संसद में सरकार पारित नहीं करा सकी। लोकसभा में औंधे मुंह गिरे इस बिल के साथ ही परिसीमन बिल जिसके जरिए सांसदों की सदस्य संख्या 543 से बढ़ाकर सरकार 850 करना चाहती थी तथा केंद्र शासित राज्यों के लिए लाया गया बिल भी स्वत: ही गिर गए। सवाल यह है कि क्या सरकार ने जानबूझकर सोची समझी रणनीति के तहत विपक्ष को महिला आरक्षण जैसे बिल को गिराने का मौका दिया गया है। ग्यारह साल में यह पहली बार हुआ है जब सरकार को संसद में मुंह की खानी पड़ी है सरकार द्वारा जानबूझकर अपनी किरकिरी कराने के कई कारण है। इस बिल पर चर्चा के बाद हुए मत विभाजन में सरकार 56 मतों से हार गई। जब इस बिल पर चर्चा के दौरान पीएम मोदी विपक्ष को यह कहकर डरा रहे थे कि अगर आपने इस बिल का समर्थन नहीं किया तो आने वाले चुनाव में देश की जागरूक महिलाएं क्या हाल करेंगी? इसलिए मेरी विपक्ष के नेताओं को सलाह है कि वह इसे पास करा के श्रेय के के भागीदार बने। एक अन्य बात यह है कि जब इस बिल पर या यूं समझो कि परिसीमन के बिल पर चर्चा के बाद मत विभाजन में हार के बाद भाजपा की महिला सांसदों ने कांग्रेस व विपक्ष के खिलाफ तख्तियों पर लिखे नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया तो यह साफ हो गया था कि सरकार को पहले से ही अपनी हार का पता था और वह विरोध की तैयारी के साथ आई थी। सरकार द्वारा देश की संसद और संविधान का ऐसा मजाक शायद कभी नहीं बनाया गया है। 2023 में सरकार जब इस नये अभिनंदन बिल को लाई थी तब कांग्रेस ने इसे 2024 के चुनाव से पूर्व ही लागू करने की मांग की थी तथा विपक्ष ने अपना समर्थन भी दिया था लेकिन सरकार ने इसे 3 साल तक लटकाए रखा लोकसभा राज्यसभा से पारित होने व राष्ट्रपति की मोहर लगने के बाद इसे कानूनी जामा क्यों नहीं पहनाया गया? तथा अब अचानक उसे उसकी याद क्यों आई? शायद इसलिए कि वह इसका इस्तेमाल अपने राजनीतिक लाभ के लिए ही करना चाहती है। इस बिल को 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने और उससे पहले परिसीमन बिल के जरिए सभी राज्यों में सांसद सीट अपनी सुविधा अनुसार बढ़ाने की मंशा के तहत ही उसने यह सब किया। यही नहीं सरकार महिलाओं के आरक्षण का लाभ 2019 के चुनाव में भी नहीं देना चाहती थी लेकिन विपक्ष ने उसकी चतुराई को भांप ही नहीं लिया बल्कि एकजुट होकर इसका विरोध किया यही कारण है कि सरकार ने आधी रात को इस कानून को लागू करने का प्रयास किया गया। सरकार खुद ही नहीं चाहती थी कि यह बिल पास हो क्योंकि वह कांग्रेस और विपक्ष को महिला विरोधी साबित करने का प्रयास कर रही थी। कांग्रेस के नेताओं का साफ कहना है कि उसने पूर्व समय में कभी महिलाओं के आरक्षण का विरोध नही किया है न अब कर रहे हैं। वह तो पूरी संहमति के आधार पर उनके आरक्षण की हिमायत कर रहे हैं। महिलाओं के आरक्षण की आड़ में सरकार परिसीमन के जरिए जो खेल करना चाहती है उसका विरोध कर रहे हैं। सरकार द्वारा इस नारी वन्दन बिल के जरिए न सिर्फ आधी आबादी को बल्कि देश की संसद और संविधान के साथ घटिया मजाक किया जा रहा है। इस पूरे ड्रामे ने भाजपा को बेनकाब कर दिया है अब उसे इसका राजनीतिक लाभ कम बल्कि नुकसान ही अधिक होगा।

# कांग्रेसियों की 'सियासी स्वाद' से दूरी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस नेताओं के बीच बयानबाजी से मचा घमासान जारी है। कांग्रेसियों के लिए पूर्व सीएम हरीश रावत द्वारा आयोजित 'सियासी स्वाद' पार्टी में कांग्रेस के बडेÞ नेताओं ने दूरी बनाए रखी, जबकि राजनैतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस पार्टी का आयोजन कांग्रेस में मचे घमासान को कम करना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कांग्रेस के बडेÞ नेताओं के पार्टी में नहीं पहुंचने से आपसी 'खटास' साफ देखी गई।



❑राजनैतिक बयानबाजी से मचे घमासान से कांग्रेसी अभी भी चुप
❑कांग्रेस नेता हरीश रावत ने आयोजित की थी दून में फल पार्टी
❑कांग्रेस के बड़े नेताओं के नहीं पहुंचने से आपसी 'खटास' दिखी

बता दें कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व सीएम हरीश रावत ने फल पार्टी का आयोजन किया था। इसका मकसद सभी कांग्रेस नेताओं को एकजुट कर चुनाव के लिए एकता का संदेश देना था, लेकिन पार्टी में समर्थक और कार्यकर्ता तो भारी संख्या में पहुंचे मगर पार्टी के बडेÞ नेताओं की नाराजगी पार्टी में नहीं आने से साफ दिखी।

ज्ञात हो कि पूर्व सीएम हरीश रावत पार्टी से नाराज होकर राजनैतिक अवकाश पर चले गए थे। इसके बाद पार्टी में बयानबाजी का दौर शुरू हुआ और यह बडेÞ घमासान के रूप में सामने आयी। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के सूबे में बैठकों के माध्यम से पार्टी में एकता का संदेश दिया गया, लेकिन यह जमीन पर कही नहीं दिखा। हरदा की फल पार्टी से यह साबित हो गया कि कांग्रेस में अभी भी अंदर खाने खटपट चल रही है और यह आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बड़े खतरे का संकेत है।

राजनैतिक विशेषज्ञों की माने तो हरदा के राजनैतिक अवकाश के बाद कांग्रेस को एकजुट करने के लिए हरदा की फल पार्टी राजधानी में आयोजित की गई। लेकिन इस पार्टी में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह, चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरक सिंह रावत सहित कई बड़े नेता उपस्थित नहीं थे। इससे साफ संकेत जाता है कि कांग्रेस पार्टी में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है और यह पार्टी के लिए अच्छे संकेत नहीं है।

दूसरी ओर राजनैतिक विशेषज्ञों की मानें तो राजनीतिक अवकाश के बाद आयोजित हरदा की फल पार्टी से एक बड़ा संदेश जा रहा है कि अब हरीश रावत फिर से राजनीति में सक्रिय हो गए हैं। पार्टी का आयोजन कर स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ ही आम जनता से जुड़ने की कोशिशें कर चुके हैं। एक बार फिर अपनी राजनीतिक सक्रियता का संदेश तो दिया गया, लेकिन पार्टी में कांग्रेस के बडेÞ नेताओं की अनुपस्थिति से यह भी संदेश गया है कि घमासान अभी कम नहीं हुआ है।

## स्मैक सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

चंपावत। पहाड़ो में नशा तस्करी कर रहे एक शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 3.50 ग्राम स्मैक बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली टनकपुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले सामान की सप्लाई हेतु आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को मनिहारगोठ रेलवे अंडरपास के पास एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से` 3.50 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम दिवाकर कुमार उर्फ नन्हे पुत्र राजू कुमार निवासी मोहल्ला लाल इमली पढ़ा व वार्ड नंबर 7 कोतवाली टनकपुर जनपद चंपावत बताया।

## कांग्रेस देगी प्रत्येक घर को रोजगारः गोदियाल

कार्यालय संवाददाता

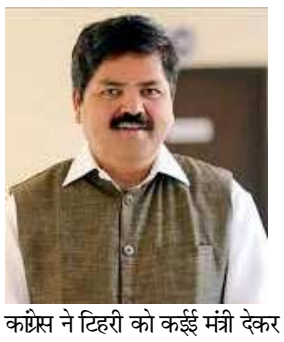



देहरादून। कांग्रेस ने जनाक्रोश गर्जना रैली निकालकर प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। वहीं कांग्रेस ने रोजगार बंद करने वाली भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का आहवान किया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि 2027 में कांग्रेस की सरकार बनी तो टिहरी में पर्यटन बढ़ाएंगे और प्रत्येक घर को रोजगार देंगे। कहा कि 2002 में जब उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार बनी तब कांग्रेस ने टिहरी को कई मंत्री देकर सम्मान दिया। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि था कि भाजपा सरकार बनेगी तो पहाड़ का पानी और जवानी पहाड़ के काम आएगी लेकिन सरकार बनने के बाद रोजगार के रास्ते बंद कर दिए। अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच ठंडे बस्ते में डाल दी।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि रोजगार बंद करने से प्रदेश में 12 सौ गांव खाली हो गए। वेंटीलेटर पर चल रही भाजपा सरकार बिहार की तरह यहां भी धनबल का प्रयोग करना चाहती है। चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डा. हरक सिंह रावत ने कहा कि टिहरी को मेडिकल कालेज अभी तक नहीं मिला। लोगों को रसोईई गैस की समस्या और जंगली जानवरों का भय सता रहा है। अभी तक आंदोलनकारियों के सपनों का उत्तराखंड नहीं बना। एक दिन का विधायक बनने पर पेंशन और 35-40 साल नौकरी करने वालों की पेंशन बंद कर रहे हैं।

# भाजपा ने पदयात्रा, स्कूटी रैली, मानव श्रृंखला से मांगा जनसमर्थन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। भाजपा ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए जन जागरूकता की दृष्टि से पदयात्रा, स्कूटी रैली एवं मानव श्रृंखला आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

दून में भाजपा महिला और युवा मोर्चा के नेतृत्व में इन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें जनता विशेषकर महिलाओं को कानून के फायदे और अधिकारों को लेकर जागरूक किया गया। कार्यक्रमों का उद्देश्य है कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक इस महत्वपूर्ण अधिनियम की जानकारी पहुंचाना और महिलाओं में बढ़ती भागीदारी के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।

❑नारी शक्ति वंदन अधिनियमः महिलाओं को कानून के फायदे और अधिकारों को लेकर जागरुक किया

महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महामंत्री और भाजपा प्रदेश महामंत्री दीप्ति रावत ने कहा कि यह अधिनियम एक लंबे समय से महिलाओं की मांग रहा है और यह बहुत ही हर्ष की बात है कि मोदी सरकार द्वारा अब इस मांग को पूरा किया जा रहा है। अब पार्टी कार्यकर्ताओं, समाजसेवियों और बु(जीवी आदि सभी जागरूक लोगों की जिम्मेदारी है कि जन-जन में कानून की जानकारी पहुंचाएं। ताकि संविधान निर्माण में मातृ शक्ति की भागेदारी का संदेश देश में नईई ऊर्जा का सृजन करे।

# पॉलिटेक्निक में दाखिले की प्रक्रिया शुरू

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्राविधिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रदेशभर में संचालित राजकीय एवं निजी पालिटेक्निक कालेजों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिये दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

प्राविधिक शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक मुकेश पाण्डे ने जानकारी देते हुए बताया कि पालिटेक्निक चलो अभियान-2026 के तहत युवाओं को तकनीकी शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर प्रवेश प्रक्रिया संचालित की जा रही है। इसके अंतर्गत प्रदेश के सभी राजकीय एवं निजी पालिटेक्निक संस्थानों में विभिन्न तकनीकी पाठ्यक्रमों में दाखिले के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि इच्छुक छात्र-छात्राएं निधरित अंतिम तिथि 15 मई 2026 तक विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन कर संयुक्त प्रवेश परीक्षा में प्रतिभाग कर सके।

अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति अभ्यर्थियों के लिए केमिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग,

❑आगामी 15 मई तक छात्र कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन
❑बीटेक पाठ्यक्रमों में लैटरल एन्ट्री से मिल सकेगा प्रवेश

इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, आटोमोबाइल इंजीनियरिंग, आटिफिशियल इंटेलिजेंस, आटोमेशन एंड रोबोटिक्स, कम्युनिकेशन एंड कंप्यूटर नेटवकिंग तथा फार्मेसी सहित 40 डिप्लोमा स्तरीय रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के अवसर उपलब्ध हैं। इसके साथ ही विभाग ने पालिटेक्निक डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को बीटेक पाठ्यक्रमों में लैटरल एंट्री के माध्यम से सीधे द्वितीय वर्ष में प्रवेश की सुविधा भी प्रदान की है, इसके अलावा 12वीं अथवा आईटीआई उत्तीर्ण छात्रों को भी सीधे द्वितीय वर्ष में प्रवेश दिया जायेगा।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में कुल 71 राजकीय 1 अनुदानित और 85 निजी पालिटेक्निक संस्थान हैं, जिनमें छात्राओं के लिये प्रत्येक वर्ग में 30 फीसदी आरक्षण का भी प्रावधान है, साथ ही अधिकांश राजकीय व अनुदानित पालिटेक्निक कॉलेजों में महिला छात्रावास की भी सुविधा उपलब्ध है।

# माजरी ग्रांट में पेयजल संकट गहराया

ऋषिकेश(आरएनएस)। डोईवाला क्षेत्र के माजरी ग्रांट में जल आपूर्ति की समस्या गंभीर होती जा रही है। यहां के निवासियों को पिछले छह महीने से नियमित पेयजल नहीं मिल रहा है, जिससे लोगों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। माजरीग्रांट में पेयजल समस्या से क्षेत्रवासी परेशान हैं। माजरी ग्रांट निवासी हिमांशु बडोनी ने बताया कि वह नियमित रूप से बिलों का भुगतान भी कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद पेयजल की आपूर्ति नहीं हो रही है। पेयजल के लिए उन्हें रोजाना टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं, जिससे आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ रहा है और अन्य कार्य भी प्रभावित हो रहा है। कहा कि कई बार उत्तराखंड जल संस्थान के पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं किया गया है। स्थानीय निवासी संदीप पाल ने कहा कि पिछले छह महीने से हमारे घरों में पानी नहीं आ रहा है। हम लगातार अधिकारियों से अनुरोध कर रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। हमने क्षेत्र के प्रधान से भी संपर्क किया, लेकिन वहां से भी कोई समाधान नहीं मिला। अब स्थानीय लोगों के लिए दैनिक जरूरतों को पूरा करना मुश्किल होता जा रहा है। कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के ज़रिए 15 दिन पहले अपनी शिकायत भी दर्ज की थी। बावजूद इसके अभी तक संबंधित विभाग से कोई कर्मचारी मौके का निरीक्षण करने नहीं आया है।

# कपाट खुलने से पूर्व बदरीनाथ में कार्यक्रम करने पर जताई आपत्ति

चमोली(आरएनएस)। बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने से पहले ही वहां पर कार्यक्रम कराने पर धाम से जुड़े तीर्थ पुरोहितों व पंडा समाज ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह धाम की परंपरा के विरुद्ध है। वहीं बीकेटीसी ने भी इसे अनुचित बताया। बृहस्पतिवार को सेना की ओर से बदरीनाथ धाम में सूर्य देवभूमि चैलेंज प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। वहां पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। तीर्थ पुरोहितों ने इस पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यह परंपराओं के विपरीत है। चारधाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के महासचिव डॉ. बृजेश सती का कहना है कि बदरीनाथ धाम में छह माह देव पूजा का विशेष महत्व है। इस दौरान वहां मानव गतिविधियां संचालित नहीं हो सकती हैं। ऐसे में कपाट खुलने से चंद दिन पहले वहां कार्यक्रम करवाना परंपराओं का उल्लंघन है। तीर्थ पुरोहित इसका विरोध करते हैं। बदरीश पंडा पंचायत के अध्यक्ष प्रवीन ध्यानी का कहना है कि बदरीनाथ धाम के कपाट अभी बंद हैं। यह समय देवपूजा का होता है ऐसे में वहां मानव गतिविधियां नहीं होनी चाहिए। वहीं बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी का कहना है कि धामों में परंपराओं के विरुद्ध कोई कार्य करना अनुचित है। पौराणिक काल से चली आ रही परंपराओं का उल्लंघन नहीं होना चाहिए।

# पेट्रोल पंप पर पहुंचा जंगली हाथी, कर्मचारियों ने भागकर बचाई जान

हरिद्वार(आरएनएस)। हरिद्वार के रिहायशी इलाकों में जंगली हाथियों ने एक बार फिर दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। देर रात दुधाधारी चौक के पास एक हाथी अचानक एक पेट्रोल पंप में घुस आया। जान बचाने के लिए कर्मचारियों और ग्राहकों को भागना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हाथी सीधे पेट्रोल पंप परिसर में दाखिल हुआ। उसे देखते ही वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। कुछ देर तक हाथी पेट्रोल पंप के भीतर घूमता रहा, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रही। इसके बाद हाथी हाईवे की सर्विस लेन से होते हुए रानी गली की ओर बढ़ गया। वहीं, कुछ लोग जान जोखिम में डालकर हाथी के करीब पहुंचकर वीडियो बनाने लगे। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सबसे पहले भीड़ को नियंत्रित किया। वायरल हो रहे वीडियो में वनकर्मी लोगों को लगातार सावधान रहने और हाथी से दूरी बनाए रखने की चेतावनी देते दिखाई दे रहे हैं। गनीमत रही कि समय रहते स्थिति संभाल ली गई और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

# एनडीएस में अंग और नेत्रदान के प्रति किया जागरूक

ऋषिकेश(आरएनएस)। श्यामपुर स्थित एनडीएस स्कूल में अंग और नेत्रदान के महत्व को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कक्षा 11 और 12 के 300 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। उन्हें अंगदान और नेत्रदान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। गुरूवार को स्कूल की प्रधानाचार्य ललिता कृष्णास्वामी की निगरानी में कार्यक्रम चला। आई बैंक मैनेजर महिपाल चौहान, प्रोजेक्ट लीडर संचीत अरोड़ा, अरूणा शर्मा और बिंदिया भाटियाल ने नेत्र और अंगदान से जुड़ी विभिन्न मिथकों और भ्रांतियों को दूर किया। बताया कि एक दाता कई लोगों को नया जीवन और दृष्टि प्रदान कर सकता है। यह भी बताया कि भारत में अंगदान की दर अभी भी बहुत कम है। ऐसे में जागरूकता बढ़ाना समय की जरूरत है। काउंसलर नेहा भल्ला ने छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए अंगदान, रक्तदान और नेत्रदान के महत्व को समझाया। व्यक्तिगत अनुभव साझा कर बताया कि उनके पिता के निधन के बाद उनके परिवार ने नेत्रदान का निर्णय लिया, जिससे किसी जरूरतमंद को नई रोशनी मिल सकी। कार्यक्रम का समापन अंग एवं नेत्रदान के समर्थन में सामूहिक शपथ के साथ हुआ।

# गढ़ पर्वत बरसाली में विराजमान हैं माँ रेणुका जी

●लोकेंद्र सिंह बिष्ट

उत्तरकाशी। माँ रेणुका जी को हिमाचल, पंजाब, राजस्थान , उत्तराखण्ड से लेकर रंवाई के सारनौल से लेकर समूचे जिले में इसकी पूजा अर्चना आराधना की जाती है। लगभग 108 गांवों की आराध्य कुलदेवी हैं माँ रेणुका जी। यमुना नदी तट पर स्थित थान गांव (नगांणगाँव) में जमदग्नि ऋषि जी का जन्म स्थान और तपस्थली है। माँ रेणुका जी ऋषि जमदग्नि ऋषि जी की धर्मपत्नी हैं। और भगवान परशुराम जी की माता हैं।।

ऋषि जमदग्नि जी रोज नित्य सुबह सुबह थान गांव से नाकुरी में माँ गंगा जी के तट पर पवित्र स्नान करने और गंगाजल भरने आया करते थे। ये क्रम चलता रहा। वृद्ध होने पर ऋषि जमदग्नि जी के लिए गंगाजल लाने का कार्य उनकी धर्मपत्नी माता रेणुका जी किया करती थीं।

एक रोज माँ रेणुका जी को गंगाजल लाने में बहुत देर हो गई। इसी बात पर ऋषि क्रोधित हो गए और माँ रेणुका जी को श्राप दे दिया और अपने पुत्रों को माता रेणुका जी के वध का आदेश दिया। इस आदेश का पालन करने से ऋषि जमदग्नि जी के चार पुत्रों ने मना कर दिया। इस आदेश को ऋषि जमदग्नि जी के पांचवें पुत्र परशुराम जी ने पूरा कर माता का वध कर दिया। इस पर प्रसन्न होकर ऋषि जमदग्नि जी ने परशुराम जी को वरदान दया जिसके कारण परशुराम जी ने पुन: माता रेणुका जी को जीवित कर दिया जिसके बाद माँ रेणुका जल में विलीन हो गईं। इधर ऋषि जमदग्नि जी ने माँ गंगा जी की स्तुति यमुना तट पर गंगनानी में की और यहीं पर एक धारा के रूप में अवतरित होने की प्रार्थना की।

ऋषि जमदग्नि जी के तपस्या से अभिभूत होकर यमुना नदी तट पर गंगा जी की एक धारा अवतरित हुई।

जहां पर ऋषि जमदग्नि जी रोज सुबह सुबह स्नान ध्यान और गंगाजल लेने आते थे। आज भी यमुना तट पर गंगनानी में इस स्थान पर प्रत्येक वर्ष वृहद मेला सजता है।

एक और कथा के अनुसार इधर माँ रेणुका जी ने गढ़ पर्वत पर 5 हजार साल तक महिषासुर मर्दनी के मंदिर में तपस्या की और श्राप से मुक्ति पाई। और महाकाली महिषासुर मर्दनी जी ने उन्हें इसी स्थान पर विराजमान होने का वरदान दिया। तब से ही गढ़ पर्वत पर सिद्ध पीठ माँ रेणुका जी स्थापित हैं।

आपको बताते चलें कि गढ़ पर्वत पर विराजमान मुख्य मंदिर में मुख्य स्थान पर मां महिषासुर मर्दनी जी की ही मूर्ति विराजमान हैं जबकि बगल में माँ रेणुका जी की मूर्ति विराजमान हैं।

हर वर्ष 3 गते बैशाख को सजता है यहाँ ऐतिहासिक सांस्कृतिक और धार्मिक मेला गढ़ का थौलू सजता है। जिसमें आसपास बरसाली, सिंगोट। पाव, कुन्सी, बौन, जुगुलडी, पंजियाला, गेंवला, मातली आदि दर्जनों ग्रामसभा के लोग अपनी अपनी आराध्य देवी देवताओं की देव डोलियां के साथ मय ढोल नगाड़ों के साथ पहुंचते हैं।

गढ़ पर्वत पर महाकाली महिषासुर मर्दनी जी अनादि काल से विराजमान हैं। कब और कैसे विराजमान/अवतरित हुई ज्यादा जानकारी नहीं है।

ये भी किंवदंती है कि जब पहाड़ के लोग अपनी जरूरत का सामान लेने मैदानी इलाकों में जाते थे तो पैदल यात्रा में महीनों लग जाते थे। आते समय जरूरत का सामान को पीठ पर लादकर ढोकर लाते थे जिसमें काफी दिक्कतें होती थी।

इसी बीच रास्ते में एक छोटी लड़की मिली जो सभी से विनती कर रही थी कि उसे भी अपनी पीठ पर बैठाकर साथ ले चलो।

पीठ पर लदे सामान के साथ किसी को बिठाना किसी के बूते की बात नहीं था। किसी ने इस नन्ही लड़की की बात नहीं मानी। इसी बीच सिंगोट के चौहान जाति के लोग जब अपना सामान पीठ लादकर ला रहे थे तो उनमें से एक ने इस छोटी लड़की को अपनी पीठ पर बैठाकर लाने की सहमति दे दी।।

बताते हैं कि इस व्यक्ति की पीठ पर लदे सामान के साथ जैसे ही यह छोटी लड़की बैठी तो उस व्यक्ति को लगा कि अब उसका भार न के बराबर रह गया है। उसमें गजब की फुर्ती जैसे आ गई और उसे सब हल्का हल्का महसूस होने लगा। खुशी खुशी वह अपने गांव सिंगोट पहुंच गया, देखा तो वह छोटी लड़की गायब थीं।

तब इस छोटी लड़की ने उन्हें सपने में दर्शन दिए और सारी बातें बताई कि वह तो साक्षात भगवती रेणुका जी हैं जो अपने सिद्ध पीठ गढ़ पर्वत पर आना चाहती थी। तब से लेकर आजतक मां रेणुका जी का मायका सिंगोट गांव में चौहान जाति के लोगों के घर को माना जाता है। प्रति वर्ष इस जाति के लोग भगवती रेणुका जी को मायके ले जाते हैं, पूजा पाठ आराधना करते हैं। और हां, माँ रेणुका जी को सबसे लोकप्रिय प्रसाद भोजन कंडाली की सब्जी और कोदे की रोटी ही प्रिय है।।

तीन दिनों तो रेणुका जी सिंगोट गांव में ही रहती हैं जिसके स्वागत में समूचे गांव में त्यौहार और मेले का आयोजन होता है। मां रेणुका जी जब अपने मायके सिंगोट से सिद्ध पीठ गढ़ पर्वत पर लौटती हैं तो मायके वाले खूबसारा कलेवा के साथ विदा करते हैं। माँ भगवती रेणुका जी के मुख्य पुजारी ग्रामसभा गढ़ रतूड़ी सेरा के बहुगुणा लोग हैं।

# स्वस्थ आंखों के लिए रात को अपनाएं ये 5 तरीके, लाभ होगा

आंखें हमारे चेहरे की सुंदरता को बढ़ाने में खास भूमिका निभाती हैं। हालांकि, रोजमर्रा की भागदौड़ और सही देखभाल न करने के कारण आंखों के आसपास की त्वचा थकी हुई और डल दिख सकती है। ऐसे में अगर आप अपनी आंखों की देखभाल के लिए एक अच्छी रात की स्किन केयर रूटीन अपनाते हैं तो इससे आपकी आंखें तरोताजा और खूबसूरत दिख सकती हैं। आइए आज हम आपको इसके लिए पांच आसान तरीके बताते हैं।

मेकअप हटाना न भूलें : सोने से पहले आंखों का मेकअप साफ करना बहुत जरूरी है। अगर आप ऐसा नहीं करती हैं तो इससे आपकी आंखों की त्वचा रूखी और डल दिख सकती है। इसके लिए एक अच्छी क्वालिटी वाला मेकअप रिमूवर या नारियल के तेल का इस्तेमाल करें। यह न केवल मेकअप हटाता है, बल्कि आंखों की कोमल त्वचा को पोषण भी देता है। मेकअप हटाने के बाद हल्के हाथों से मालिश करें ताकि रक्त संचार बेहतर हो सके।

आंखों की सफाई करें : आंखों की सफाई करना भी जरूरी है। इसके लिए गुनगुने पानी में थोड़ा सा गुलाब जल मिलाकर उसमें रुई भिगोकर आंखों पर रखें। इससे आंखें तरोताजा महसूस होंगी। इसके अलावा यह तरीका आंखों की सूजन को कम करने में भी मदद कर सकता है। नियमित रूप से इस प्रक्रिया को अपनाने से आपकी आंखों की त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहती है। इससे आंखों की थकान भी दूर होती है और वे तरोताजा दिखती हैं।

ठंडी चायपत्ती या खीरे के टुकड़े लगाएं : ठंडे चायपत्ती या खीरे के टुकड़े आंखों पर रखने से सूजन और काले घेरे कम होते हैं। इसके लिए पहले चायपत्ती को उबालकर ठंडा कर लें, फिर उसे छोटे कपड़े में बांधकर फ्रिज में रख दें। सोने से पहले ठंडी चायपत्ती को आंखों पर रखें और 10-15 मिनट तक छोड़ दें। खीरे के टुकड़े भी इसी तरह असरदार होते हैं। इन तरीकों को अपनाने से आपकी आंखें तरोताजा और युवा दिखेंगी।

अच्छी नींद लें : अच्छी नींद लेना बहुत जरूरी है। रोजाना 7-8 घंटे की नींद लें ताकि आपकी आंखें पूरी तरह आराम कर सकें। नींद पूरी न होने पर आंखें थकी हुई और डल दिखती हैं, जिससे आपकी सुंदरता प्रभावित होती है। अच्छी नींद लेने से न केवल आपकी आंखें तरोताजा दिखेंगी बल्कि आपकी त्वचा भी निखरेगी। इसके अलावा यह आपकी मानसिक स्थिति को भी बेहतर बनाएगा और आप ज्यादा ऊर्जा महसूस करेंगे।

नियमित व्यायाम करें : नियमित व्यायाम करने से न केवल आपका शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि आपकी आंखें भी तरोताजा महसूस होती हैं। रोजाना थोड़ी देर टहलें या योग करें ताकि रक्त संचार बेहतर हो सके। इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपनी आंखों की देखभाल कर सकते हैं और उन्हें स्वस्थ बनाए रख सकते हैं। इन आसान तरीकों से आपकी आंखें तरोताजा, युवा और खूबसूरत दिखेंगी।

# खुद से दिया एक्यूप्रेशर से मिलती है दर्द में राहत

अगर पीठ के निचले हिस्से में तेज दर्द है तो खुद से दिया गया ऐक्युप्रेशर काफी राहत दे सकता है। ऐक्युप्रेशर ऐक्युपंक्चर की तरह ही होता है लेकिन इसमें नीडल्स की जरूरत नहीं होती। इसमें उंगलियों, अंगूठे या किसी डिवाइस से शरीर के प्रेशर पॉइंट्स पर प्रेशर डालते हैं। मिशिगन मेडिसिन में लीड प्रफेसर और स्टडी की लीड ऑथर सूसन मर्फी बताती हैं, प्रेशर पॉइंट्स पहले भी कई स्टडीज में कैंसर और ऑस्टियोपोरोसिस के दर्द में फायदेमंद साबित हो चुका है। कुछ स्टडीज में लोगों की पीठ दर्द में भी ऐक्युप्रेशर दिया गया है। स्टडी के मुताबिक, रिसर्च टीम ने तेज पीठ दर्द वाले 67 लोगों को तीन ग्रुप्स में बांटा जिनको रिलैक्सिंग ऐक्युप्रेशर, स्टिम्युलेटिंग ऐक्युप्रेशर और साधारण केयर दी गई। इनमें से रिलैक्सिंग ऐक्युप्रेशर से नींद न आने की समस्या दूर हुई वहीं स्टिम्युलेटिंग ऐक्युप्रेशर थकान मिटाने में कारगर रहा। ऐक्युप्रेशर ग्रुप में हिस्सा लेने वालों को ऐक्युप्रेशर देने की ट्रेनिंग दी गई थी। उन्होंने 6 हफ्तों तक रोजाना 27 से 30 मिनट रोजाना ऐसा किया। साधारण केयर वाले ग्रुप में हिस्सा लेने वालों का कहा गया कि वे दर्द दूर करने के लिए जो भी उपाय कर रहे हैं वह करते रहें। मर्फी बताती हैं कि साधारण केयर वाले ग्रुप से तुलना में जो लोग स्टिम्युलेटिंग ऐक्युप्रेशर दे रहे थे उनमें थकान और दर्द में राहत देखी गई। छह हफ्ते बाद उनके दर्द में काफी राहत रही। उन्होंने बताया कि तेज दर्द को ठीक करने के लिए बेहतर ट्रीटमेंट की जरूरत होती है वही दवाओं से साइड इफेक्ट्स के खतरे भी रहते हैं। बता दें कि पीठ में दर्द एक बहुत कॉमन समस्या है। अगर दर्द की तीव्रता ज्यादा है तो उठने, बैठने और चलने तक दिक्कत हो सकती है।


## वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन


# सांस्कृतिक विरासत और आस्था का प्रतीक है बिस्सू मेला

उत्तरकाशी(आरएनएस)। बंगाण व पर्वत क्षेत्र के गांव-गांव में इन दिनों पौराणिक सांस्कृतिक विरासत और आस्था का प्रतीक बिस्सू मेला पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है।

बैसाखी पर्व के साथ शुरू हुआ यह मेला आराकोट बंगाण के भुटाणु, जाकटा, चींवा और ढ़ड़ियार सहित कई गांवों में मनाया जा रहा है। इसके अलावा बिस्सू मेला मोरी पर्वत क्षेत्र के लिवाड़ी, फिताड़ी, सट्टा, पुजेली, दौणी, खंयासणी व जखोल गांवों में स्थित महासू महाराज, सोमेश्वर महाराज और शिड़कुडिया महाराज के मंदिर परिसरों में एक सप्ताह तक भव्य रूप में आयोजित होगा। मेले के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के तहत गांव और पट्टी के साठी व पासांई दोनों तोक के बीच धनुष-बाण से प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है।

प्रतियोगिता केवल खेल नहीं बल्कि क्षेत्र की खुशहाली, समृद्धि और लोक संस्कृति के संरक्षण का प्रतीक मानी जाती है। बैसाखी से पूर्व चारों महासू महाराज, सोमेश्वर व शिड़कुडिया देवता मंदिरों में ढोल-दमाऊं की थाप पर लोकनृत्य और पारंपरिक गीतों के माध्यम से श्रद्धालु अपनी आस्था और खुशी का इजहार करते हैं, जिससे पूरा क्षेत्र लोक रंग में रंगा नजर आता है। मेले का सबसे आकर्षक और रोमांचक आयोजन ठोटे खेल है जो क्षेत्र की अनूठी पहचान है। खेल में प्रतिभागी धनुष-बाण के माध्यम से एक-दूसरे के घुटने के नीचे निशाना साधते हैं जिसे साहस और परंपरा का प्रतीक माना जाता है। चार महासु देवता के वजीर जयपाल बंगवाण, प्रमोद रावत, मनमोहन चौहान, हरीश चौहान और राजेंद्र चौहान ने बताया कि बिस्सू मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि क्षेत्र की पहचान, परंपरा, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत प्रतीक है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों को अपनी जड़ों से जोड़े रखता है।

## ग्रीन कार्ड बनने शुरू, 150 से अधिक वाहनों की हुई जांच

चमोली(आरएनएस)। परिवहन विभाग की ओर से चारधाम यात्रा के लिए ग्रीन कार्ड बनाने का काम शुरू कर दिया है।

विभाग की ओर से करीब 150 से अधिक वाहनों की जांच की गई। चालकों की सुविधा के लिए अलग काउंटर लगाया गया है जिससे वह आसानी से ग्रीन कार्ड बना सकें। चारधाम यात्रा के लिए सरकार की ओर से व्यावसायिक वाहनों के ग्रीन कार्ड अनिवार्य किया गया है। इसके तहत वाहनों की फिटनेस और जरूरी दस्तावेज आदि की जांच की जाती है। परिवहन विभाग के तकनीकी क्षेत्रीय निरीक्षक विकास कुमार का कहना है कि व्यावसायिक वाहनों की भौतिक और तकनीकी जांच की जा रही है। सभी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही ग्रीन कार्ड लागू किया जाएगा।

# पेंशनर्स ने उठाई गोल्डन कार्ड की मांग

ऋषिकेश(आरएनएस)। सेवानिवृत राजकीय पेंशनर संगठन डोईवाला की मासिक बैठक कान्हरवाला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित की गई। बैठक में वक्ताओं ने पेंशनरों की स्वास्थ्य सुविधाओं और गोल्डन कार्ड से जुड़ी समस्याओं पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे धर्म सिंह कृषाली और सचिव सोहन सिंह नेगी ने संयुक्त रूप से कहा कि प्रदेश के शेष 35 हजार पेंशनरों को तत्काल गोल्डन कार्ड की सुविधा से जोड़ा जाए। उन्होंने तर्क दिया कि स्वास्थ्य प्राधिकरण वर्तमान में भी इन पेंशनरों की कटौती से ही अन्य बिलों का भुगतान कर रहा है, फिर भी कटौती कराने वाले पेंशनरों को निशुल्क चिकित्सा और प्रतिपूर्ति का लाभ नहीं मिल पा रहा है। आरोप लगाया कि हिमालयन हॉस्पिटल में भी सिर्फ गिने-चुने लोगों को ही निशुल्क उपचार मिल पा रहा है। कोषाध्यक्ष मंगता खान ने चिंता जताते हुए कहा कि लंबे समय से लंबित चिकित्सा प्रतिपूर्ति के बिलों की धनराशि अभी तक पेंशनरों के खातों में नहीं पहुंची है, जिससे बुजुर्गों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए सत्यपाल सिंह पुंडीर ने कहा कि संगठन में ही शक्ति है। उन्होंने सेवानिवृत साथियों को जोड़ने के लिए घर-घर सदस्यता अभियान चलाने की बात भी कही। हरिप्रसाद शर्मा ने स्वास्थ्य कटौती के बावजूद सुविधाएं न मिलने को पेंशनरों के साथ सरासर अन्याय करार दिया है। चत्तर सिंह पुंडीर, मदन सिंह बुटोला, रामेश्वर प्रसाद लखेड़ा, विजय सिंह कृषाली, रामदेव भट्ट, कंवर सिंह चौहान, नारायण दत्त भट्ट, शिव सिंह कृषाली, तेजपाल सिंह मनवाल, प्रेम चंद, जितेंद्र सिंह, हरिप्रसाद शर्मा, उदय सिंह राणा आदि मौजूद रहे।

# टेक्नीशियनों के अभाव से एक्सरे और पैथोलॉजी जांचें ठप

उत्तरकाशी(आरएनएस)। आउटसोर्स से जनपद के विभिन्न अस्पतालों में सेवाएं दे रहे एक्सरे और लैब टेक्नीशियनों का वार्षिक अनुबंध समाप्त होने से चारधाम यात्रा मार्ग पर स्थित अस्पतालों में एक माह से नियमित एक्सरे और पैथोलॉजी जांचें नहीं हो पा रही है। यमुनोत्री धाम के यात्रा पड़ाव नौगांव स्थित सीएचसी अस्पताल में जांचें प्रभावित होने से मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जनपद के कई अस्पतालों में समस्या बनी है।

दूर दराज से आने वाले मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों में महंगे दाम पर एक्सरे और जांचे करवानी पड़ रही है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि टेक्नीशियनों का अनुबंध का नवीनीकरण न होने से चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को भी एक्सरे और पैथोलॉजी जांचों के लिए परेशान होना पड़ सकता है।

जनपद के नौगांव, बड़कोट, डुंडा, चिन्यालीसौड़ और भटवाड़ी ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आउटसोर्स से लगे दस एक्सरे और लैब टेक्नीशियन एक वर्ष से सेवाएं दे रहे हैं जिनका अनुबंध 17 मार्च को समाप्त हो गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव के चिकित्साधीक्षक डॉ. रोहित भंडारी का कहना है कि एक्सरे और लैब टेक्नीशियनों का अनुबंध समाप्त होने से एक्सरे और पैथोलॉजी जांचे प्रभावित हुई हैं।

# बिना पुनर्वास के किसी भी परिवार को उजड़ने नहीं देंगे : बेहड़

रुद्रपुर(आरएनएस)। संजय कॉलोनी और मस्जिद कॉलोनी में बेदखली नोटिस जारी होने के बाद सियासत गरमा गई है। किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ मौके पर पहुंचे और आमसभा कर लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने साफ कहा कि बिना पुनर्वास के किसी भी परिवार को उजड़ने नहीं दिया जाएगा।

उन्होंने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ी तो एयरपोर्ट के सामने अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा। विधायक बेहड़ ने कहा कि जिन लोगों ने वर्षों से यहां अपना आशियाना बनाया है, उन्हें अचानक बेघर करने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले कॉलोनियों को नियमित करने के वादे किए गए, लेकिन अब नोटिस देकर लोगों को डराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि बुलडोजर चलाने से पहले प्रभावित परिवारों को वैकल्पिक जमीन और मकान उपलब्ध कराना होगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे नोटिस का ठोस जवाब दें और अपने सभी दस्तावेज प्रशासन के सामने प्रस्तुत करें। साथ ही दो टूक कहा कि जब तक जमीन नहीं मिलेगी, कोई घर नहीं टूटने दिया जाएगा। यह लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लड़ी जाएगी। इस बीच विधायक ने किच्छा में निर्माणाधीन सैटेलाइट एम्स के दौरे पर पहुंचे मुख्य सचिव आनंद वर्धन से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पंतनगर एयरपोर्ट विस्तार से प्रभावित परिवारों के त्वरित पुनर्वास की मांग की गई। कहा कि जमरानी बांध के प्रभावितों का खुर्पिया में सुनियोजित पुनर्वास किया जा रहा है, उसी तर्ज पर इन परिवारों को भी सम्मानजनक तरीके से बसाया जाए।

एयरपोर्ट विस्तार परियोजना के तहत प्रशासन ने संजय और मस्जिद कॉलोनी में अतिक्रमण हटाने के नोटिस जारी किए हैं। 15 दिन के भीतर कब्जा हटाने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि करीब 800 परिवार इस कार्रवाई से प्रभावित हो सकते हैं। क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है और लोग पुनर्वास की मांग पर अड़े हुए हैं। इस दौरान जनार्दन सिंह, जगदीश, जुबेर समेत बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी मौजूद रहे।

# धड़क की रिलीज के बाद डिप्रेशन में चली गई थीं जाह्नवी कपूर!

जाह्नवी कपूर आज बॉलीवुड की मोस्ट टैलेंटेड यंग एक्ट्रेसेस में से एक हैं। हालांकि उन्होंने जब बॉलीवुड में बुरे हालात में कदम रखा था। दरअसल उनकी पहली फिल्म %धड़क' उनकी मां श्रीदेवी की मौत के कुछ ही महीनों बाद रिलीज़ हुई थी। जाह्नवी ने अब खुलास किया है कि अपनी पहली फिल्म रिलीज़ होने के बाद वह डिप्रेशन में चली गईं, उन्हें लगा कि लोग उनसे नफ़रत करते हैं।

बता दें कि राज शमनी के पॉडकास्ट में जाह्नवी कपूर ने अपने शुरुआती दिनों और बॉलीवुड में अपने डेब्यू के बारे में बताया। जाह्नवी ने 2018 में ईशान खट्टर के साथ %धड़क' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था। पुराने दिनों को याद करते हुए, जान्हवी ने कहा, आप जानते हैं, जब भी कोई मुझसे मेरी पहली फिल्म, धड़क के बारे में बात करता है, तो वे कहते हैं, %वह उसमें बहुत अच्छी थी' या %हमें धड़क पसंद आई' और %तुमने बहुत पैसा कमाया'।।। लेकिन धड़क की मेरी यादें बहुत अलग थीं। धड़क के बाद मैं डिप्रेस्ड हो गई थी। मुझे लगा हो गया और पैकअप हो गया। लोग मुझसे नफरत करते हैं।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, मुझे अपनी ज़िंदगी में सारा वैलिडेशन अपनी मां से मिला। वह चली गईं तो मैंने सोचा, ठीक है, मैं इसे ऑडियंस पर डाल दूंगी। और मुझे उम्मीद थी कि सब लोग मुझे अपना लेंगे, जो मुझे नहीं पता था कि होता नहीं है। मैं सिफ़ 'नेगेटिव बातों पर ध्यान दे रही थी। मैंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया या यह भी नहीं माना कि यह बहुत।।। मुझे लगता है कि सैयारा तक यह नए लोगों के साथ सबसे ज़्यादा कमर्शियली सफल फ़िल्म थी। मुझे यह भी समझ नहीं आया कि यह हिट थी। मुझे बस इतना पता था कि मैं बेकार हूँ और लोग मुझसे नफ़रत करते हैं।।। क्योंकि मैंने सिफ़ 'नेगेटिविटी देखी, और वही मेरी असलियत बन गई।

जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर स्टारर धड़क' का निर्देशन शशांक खेतान ने किया था और ये करण जौहर के सपोर्ट में बनी थी। ये फिल्म 2016 की मराठी फ़िल्म सैराट की रीमेक थी, और इसने बॉक्स ऑफ़िस पर लगभग 110।11 करोड़ कमाए थे। जान्हवी ने गुंजन सक्सेना, घोस्ट स्टोरीज़, रूही और गुड लकी जेरी जैसी अलग-अलग फ़िल्मों में काम किया। वह हाल ही में शशांक खेतान के डायरेक्शन में बनी रोमांटिक कॉमेडी सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नज़र आई थीं जिसमें वरुण धवन, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ उनके साथ थे। 2025 में रिलीज़ हुई यह फ़िल्म बॉक्स-ऑफ़िस पर ठीक-ठाक सफल रही, इसने 80 करोड़ के प्रोडक्शन बजट पर दुनिया भर में 100 करोड़ कमाए थे।

जाह्नवी की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वे जल्द ही राम चरण के साथ तेलुगु फ़िल्म पेड्डी में नज़र आएंगी, जो इस साल के आखिर में रिलीज़ होगी।

# इश्क में डूबे लक्ष्य-अनन्या; चांद मेरा दिल की पहली झलक आई सामने

एक्टर लक्ष्य और अनन्या पांडे को लेकर करण जौहर चांद मेरा दिल बना रहे हैं। धर्मा प्रोडक्शंस ने आज सोमवार को इस फिल्म की पहली झलक साझा की है। बीते दिन उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जानकारी दी थी कि वे आरव (लक्ष्य) और चांदनी (अनन्या पांडे) से मिलवाएंगे। आज उन्होंने फिल्म के पोस्टर्स रिलीज किए हैं, साथ ही कहानी की थोड़ी झलक भी दी है। धर्मा प्रोडक्शंस के इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर किया गया है। इसके साथ फिल्म से जुड़े कई पोस्टर रिलीज किए गए हैं, जिनमें लक्ष्य और अनन्या रोमांटिक लुक में दिख रहे हैं। हर पोस्टर पर फिल्म की कहानी का मर्म लिखा है। इसमें लिखा है, प्यार में पड़ना आसान है। आगे बढ़ना मुश्किल है। जिंदगी जब सिलेबस बदल देती है। जब जिंदगी प्यार से भी तेज भागती है। हर मोहब्बत को दूसरा मौका नहीं मिलता।

इसके साथ कैप्शन लिखा है, पेश है एक प्रेम कहानी, जहां।।जिंदगी प्यार से भी तेज चलती है। बता दें कि चांद मेरा दिल सिनेमाघरों में 22 मई, 2026 को रिलीज होगी। पोस्टर्स पर नेटिजंस रिएक्ट कर रहे हैं। एक दिन पहले जिस अंदाज में एलान किया गया था, उसके हिसाब से अधिकांश यूजर्स टीजर की उम्मीद लगाए बैठे थे। यूजर्स लिख रहे हैं, टीजर कब आएगा? पोस्टर्स को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। लक्ष्य को नेटिजंस सकारात्मक रिएक्शन दे रहे हैं, वहीं अनन्या को ट्रोल किया जा रहा है। इतना ही नहीं, यूजर्स लक्ष्य को सुझाव दे रहे हैं कि वे अनन्या से दूर रहें। कुछ यूजर्स फिल्म के प्रति उत्साह जाहिर कर रहे हैं।

# कविता कौशिक ने बताया कसान के लिए क्यों नहीं करनी पड़ी ज्यादा मेहनत

एक्शन-क्राइम ड्रामा वेब सीरीज कसान ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। यह सीरीज ज्वालाबाद शहर में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी पर आधारित है। इसमें साकिब सलीम के अलावा सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आ रहे हैं। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का रोल निभाया है, जो एक सख्त महिला पुलिस अधिकारी होती है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें पुलिस के किरदार में ढलने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा था। अभिनेत्री ने अपने किरदार के ढलने की प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा, मुझे अपने किरदार के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी थी क्योंकि मेरा बैकग्राउंड ही पुलिस से जुड़ा हुआ है। मेरे पिता एक पुलिस अधिकारी थे। बचपन से हम उसी माहौल में बड़े हुए हैं। इसलिए यह भूमिका मेरे लिए स्वाभाविक लगी। चाहे चंद्रमुखी चौटाला का किरदार हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस वाली बात मेरी परफॉर्मेंस में अपने आप दिख जाती है।

कविता ने आगे बातचीत में पूरी टीम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, हमारे पास बहुत अच्छा डायरेक्टर, शानदार प्रोड्यूसर्स और एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। हमारी कास्ट भी कमाल की है। सब कुछ मुझे सही लगा था, यही कारण है कि सीरीज के लिए हां कहना बहुत आसान हो गया था।

अभिनेत्री ने मुश्किल शूट के बारे में बात करते हुए कहा, सच कहूं, तो मुझे सीन शूट करने में दिक्कत नहीं हुई। अगर मैं मुश्किल कहूंगी तो यह अन्य कलाकारों के साथ नाइंसाफी होगी। वे बहुत कठिन हालात में भी फिट रहते हुए जबरदस्त एक्शन सीन कर रहे थे। उनका अनुशासन और समर्पण देखकर मैं प्रेरित हुई। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। मेरी भूमिका उनकी तुलना में काफी आरामदायक थी।

अक्सर पुलिस ड्रामा में महिला अधिकारियों को कम महत्व दिया जाता है। इस पर कविता ने बेबाकी से कहा, मैंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। मुझे जो मौका मिलता है, उसका पूरा फायदा उठाती हूं। मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती। मेरा फोकस अपने काम के असर पर रहता है।

# मोनालिसा ने उठाए रजत दलाल की परवरिश पर सवाल!

रियलिटी शो द 50 खत्म हो गया है लेकिन इस शो से शुरू हुए विवाद शांत नहीं हो रहे हैं। इन दिनों रजत अपनी शादी के साथ मोनालिसा के साथ हुए विवाद पर भी खुलकर बात कर रहे हैं, हालांकि अब बिना नाम लिए मोनालिसा ने रजत दलाल पर पलटवार किया है और अपने करियर की अचीवमेंट के बारे में बात की। एक्ट्रेस मोनालिसा का कहना है कि कुछ लोग रियलिटी शो से बाहर आने के बाद भी बाहर नहीं आ पा रहे हैं। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया,जिसमें वो बिना नाम लिए रजत दलाल पर निशाना साध रही हैं।

रजत दलाल ने हाल ही में कहा था कि उन्हें मोनालिसा की कही किसी भी बात से फर्क नहीं पड़ता है। अभिनेत्री ने वीडियो जारी कर कहा, कुछ लोग रियलिटी शो से बाहर आने के बाद भी बाहर नहीं आ पा रहे हैं। क्योंकि उनकी असली जिंदगी भी फेक है। जब ऐसी हरकत करेंगे, तभी तो दिखेंगे।

उन्होंने आगे कहा, किसी को मेरे गुस्से से क्यों फर्क पड़ेगा, क्योंकि शो के अंदर हमने उनकी तरह गाली नहीं दी। अब शो के बाहर भी वो कुछ भी बोल रहे हैं और उनके पेड पीआर करने वाले लोगों की कोई सीमा नहीं है। हमें एक से बढ़कर एक घटिया बातें सुनने को मिल रही हैं। मेरी मां और परिवार को लेकर गलत बातें की जा रही हैं। अगर मेरी वजह से किसी और के साथ ऐसा होता तो मैं खुद उस मामले को रोकती, क्योंकि मेरी परवरिश ऐसी नहीं है। यहां लोग फैन पाने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

अभिनेत्री ने बहुत बड़ा वीडियो पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने रजत दलाल और उनके फैंस को करारा जवाब दिया है। उन्होंने यह भी साफ किया है कि उन्हें फेम की जरूरत नहीं है क्योंकि वे वर्षों से इंडस्ट्री का हिस्सा नहीं हैं। मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा, कुछ बातें बोलना जरूरी था। द-50, 100 से ऊपर भोजपुरी फिल्में, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ फिल्में, बिग बॉस-10, नच बलिए 8, नजर सबसे लोकप्रिय सुपरनैचुरल शो और भी बहुत कुछ, जिसे मैं भी भूल रही हूं। लोगों ने मुझे बहुत प्यार दिया। इसके बाद भी मुझे आपके जरूरी फेम नहीं चाहिए भाई।

# धराली प्रभावितों के पुनर्वास और राहत कार्यों में सरकार विफल - हरीश रावत

उत्तरकाशी(आरएनएस)। धराली आपदा प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण कर लौटे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावितों के पुनर्वास और राहत कार्यों में सरकार पूरी तरह विफल रही है और अब तक ज़मीनी स्तर पर कोई ठोस काम नहीं दिख रहा है। रावत ने कहा कि चारधाम यात्रा की तैयारियां भी बेहद धीमी है जिन कार्यों को यात्रा शुरू होने से कम से कम 15 दिन पहले पूरा हो जाना चाहिए था वे अभी भी अधूरे पड़े हैं। उनका कहना है कि लापरवाही का खामियाजा यात्रियों और स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ सकता है। बृहस्पतिवार को लोनिवि गेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि हर्षिल की स्थिति को बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में केदारनाथ आपदा के बाद जिस तेजी और प्रतिबद्धता के साथ पुनर्निर्माण कार्य किए गए थे, उसी तर्ज पर धराली में भी कार्यों को धरातल पर उतारने की आवश्यकता है। सरकार प्रभावितों का लोन माफ करे और सरकारी जमीन पर जिनका नुकसान हुआ है उनके बारे में भी सरकार को सोचना चाहिए। भू-धंसाव से प्रभावित भटवाड़ी क्षेत्र को लेकर भी रावत ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि भटवाड़ी सुरक्षित करने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने होंगे। चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि यात्रा फिलहाल भगवान भरोसे चल रही है। सड़कें पूरी तरह तैयार नहीं है। यात्रियों के बढ़ते दबाव के अनुरूप पार्किंग व अन्य बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था नहीं की गई है।

# अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत अस्पतालों में जागरूकता अभियान

अल्मोड़ा(आरएनएस)। अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत जनपद में अग्नि सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। फायर सीजन को ध्यान में रखते हुए अल्मोड़ा और रानीखेत फायर स्टेशन की टीमों ने विभिन्न अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यक्रम आयोजित कर कर्मचारियों को आग से बचाव और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। रानीखेत फायर स्टेशन की टीम ने प्रभारी अग्निशमन अधिकारी गणेश चंद्र के नेतृत्व में बाबा हेडाखान आयुर्वेदिक हॉस्पिटल, भोले बाबा हॉस्पिटल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ताड़ीखेत में कर्मचारियों को अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम और बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से बताया। वहीं अल्मोड़ा फायर स्टेशन की टीम ने प्रभारी फायर स्टेशन अधिकारी मुकेश चंद्र चतुर्वेदी के निर्देशन में जीवन ज्योति हॉस्पिटल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बाड़ेछीना में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। अभियान के दौरान कर्मचारियों को प्राथमिक अग्निशमन यंत्रों के सही उपयोग की जानकारी दी गई और आपातकालीन निकास मार्ग को हमेशा अवरोध मुक्त रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही आग लगने की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के महत्व पर भी जोर दिया गया।

## सू- दोकू क्र.004

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 3 | | | | | 7 | |
| 9 | | | | 6 | | 3 | | 8 |
| | 7 | | 9 | | 5 | | 6 | |
| | | | | | | 1 | | 9 |
| 3 | | 8 | | 7 | | | 5 | |
| | 1 | | 3 | | 9 | | | 7 |
| | | 2 | | 8 | | 7 | | |
| | 8 | | | | 2 | | 4 | 3 |
| | | | 1 | | | | | |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.03का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 2 | 4 | 9 | 6 | 7 | 8 | 1 | 3 |
| 3 | 6 | 7 | 4 | 1 | 8 | 2 | 9 | 5 |
| 8 | 1 | 9 | 3 | 2 | 5 | 4 | 6 | 7 |
| 6 | 3 | 5 | 1 | 9 | 4 | 7 | 2 | 8 |
| 7 | 9 | 8 | 5 | 3 | 2 | 6 | 4 | 1 |
| 2 | 4 | 1 | 7 | 8 | 6 | 5 | 3 | 9 |
| 4 | 5 | 3 | 6 | 7 | 9 | 1 | 8 | 2 |
| 9 | 8 | 6 | 2 | 5 | 1 | 3 | 7 | 4 |
| 1 | 7 | 2 | 8 | 4 | 3 | 9 | 5 | 6 |

# कुंभ मेला तैयारियों के तहत हरिद्वार के श्मशान घाटों के सुधार एवं सुविधाओं के विस्तार की भी तैयारी

हरिद्वार(आरएनएस)। कुंभ मेला 2027 की तैयारियों के अंतर्गत मेलाधिकारी सोनिका ने हरिद्वार में प्रस्तावित प्रशासनिक रोड कॉरिडोर सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को कार्यों को निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। मेलाधिकारी ने कहा कि कुंभ मेला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा आयोजन है, इसलिए सभी निर्माण कार्य समय पर एवं मानकों के अनुरूप पूरे होना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने शंकराचार्य चौक सहित अन्य प्रमुख चौराहों के सौंदर्यीकरण एवं सुधार के निर्देश देते हुए कहा कि यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले अव्यवस्थित खंभों एवं अन्य अवरोधों को तत्काल हटाया जाए। साथ ही क्षेत्र को अतिक्रमणमुक्त बनाए जाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बताया कि कुंभ मेला मद के अंतर्गत शंकराचार्य चौक से मेला नियंत्रण भवन (सीसीआर) तक प्रशासनिक रोड कॉरिडोर के विकास कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। इस योजना के तहत लगभग 7 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण, दोनों ओर फुटपाथ, तथा करीब 1 किलोमीटर क्षेत्र में लगभग 5.5 मीटर चौड़ा पैदल मार्ग विकसित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सड़क के सौंदर्यीकरण, ड्रेनेज व्यवस्था एवं स्ट्रीट लाइटिंग की भी व्यवस्था की जाएगी।

चंडी चौक से आने वाले मार्ग पर मौजूदा पुल के समानांतर एक अतिरिक्त लेन का पुल भी निर्मित किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सड़क निर्माण के दौरान मार्ग के किनारे स्थित पेड़ों को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचे।

उन्होंने क्षेत्र में हरित पट्टियों के विकास, फूलों एवं शोभादार पौधों का रोपण करने तथा दीवारों पर देवभूमि उत्तराखंड, धर्मनगरी हरिद्वार एवं कुंभ की महत्ता को दर्शाने वाली आकर्षक वॉल पेंटिंग कराने के निर्देश दिए। मेलाधिकारी सोनिका ने शंकराचार्य चौक के प्रस्तावित पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि इस चौराहे के सौंदर्य एवं यातायात संचालन को प्रभावित करने वाली सभी अव्यवस्थित संरचनाओं को हटाकर इसे व्यवस्थित एवं आकर्षक बनाया जाए। उन्होंने अन्य चौराहों के सुधार कार्यों में भी तेजी लाने तथा सभी प्रमुख स्थलों पर आकर्षक एवं बहुभाषी साइनेज स्थापित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, शंकराचार्य चौक से डामकोठी मार्ग तक के क्षेत्र को हरिद्वार के एक प्रमुख 'आइकॉनिक' क्षेत्र के रूप में विकसित करने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने मेला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग, हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण, नगर निगम तथा अन्य संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। मेलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी तथा वह स्वयं भी समय-समय पर स्थलीय निरीक्षण कर गुणवत्ता एवं प्रगति का आकलन करेंगी। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी को गंभीरता से लिया जाएगा।

## युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत - सौरभ बहुगुणा

विकासनगर(आरएनएस)। इक्फाई विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के नवनियुक्त पदाधिकारियों का पदग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने छात्र नेताओं को सेवा एवं समर्पण की शपथ दिलाई। मंत्री बहुगुणा ने कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है और एनएसएस जैसे मंच विद्यार्थियों को समाज सेवा तथा नेतृत्व के अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन में सेवा भावना अपनाने वाले युवा भविष्य में समाज और राष्ट्र के मजबूत स्तंभ बनते हैं। समारोह में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। सतबीर कौर ने प्रथम अनुश्री मेरोठिया दिशा और साक्षी ने द्वितीय तथा श्रुति राणा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कुलपति प्रो. राम करण सिंह, कुल सचिव प्रो. आर.सी. रमोला, लॉ स्कूल के डीन प्रो. अरुण कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

## अभिनेता अनिरुद्ध दवे ने ऋषिकेश में गंगा आरती की

ऋषिकेश(आरएनएस)। सुप्रसिद्ध अभिनेता अनिरुद्ध दवे परमार्थ निकेतन पहुंचे। यहां उन्होंने गंगा आरती की और कहा कि तीर्थनगरी ऋषिकेश आध्यात्मिकता, संस्कृतिक और आत्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम है। इस दौरान उन्होंने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती से आशीर्वाद भी लिया। चिदानंद सरस्वती ने उन्हें आशीर्वाद स्वरूप रुद्राक्ष का पौधा भेंट किया।

## 23 तक सड़क निर्माण पर कोई निर्णय नहीं हुआ तो करेंगे चक्काजाम

चमोली(आरएनएस)। चमोली जिले का सबसे दूरस्थ गांव डुमक आज भी सड़क सुविधा से वंचित है। ऐसे में ग्रामीणों को आज भी 8 किमी की पैदल दूरी तय करनी पड़ रही है। शासन-प्रशासन के आश्वासनों के बाद भी सड़क निर्माण न होने पर ग्रामीणों ने चेतावनी दी यदि 23 अप्रैल तक सड़क निर्माण पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे चारधाम यात्रा के दौरान हेलंग में चक्का जाम करेंगे। ग्राम प्रधान राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने देहरादून में मुख्य सचिव से भेंटकर उन्हें समस्या बताई। उन्होंने कहा कि सैंजी लग्गा मैकोट-बेमरू-डुमक-कलगोठ (32 किमी) सड़क का कार्य भूस्खलन क्षेत्र का हवाला देकर स्यूंण में रोक दिया गया है। दिसंबर 2024 में एक माह के आंदोलन के बाद काम शुरू हुआ था लेकिन काम फिर बंद कर दिया गया। ऐसे में ग्रामीणों को आज भी करीब आठ किमी पैदल चलकर कलगोठ आना पड़ता है। वहां से गोपेश्वर आने के लिए सड़क मार्ग से दूरी करीब 80 किमी है। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव ने उन्हें मांग पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। प्रतिनिधिमंडल में युवक मंगल दल अध्यक्ष अनुरोध सनवाल व क्षेत्र पंचायत सदस्य विवेक रावत भी शामिल रहे।

# पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए आज से भरे जाएंगे फॉर्म

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। एचएनबी गढ़वाल विवि ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके तहत पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया अप्रैल से शुरू होगी। 1 मई तक आवेदन फार्म भरने की तिथि निर्धारित की गई है। छात्र समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

गढ़वाल विवि के कुलसचिव प्रो. वाईपी रैवानी ने इस संदर्भ में नोटिफिकेशन जारी किया है। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड 12 मई से डाउनलोड किए जा सकेंगे जबकि परीक्षा 17 मई को होगी। विवि ने स्पष्ट किया है कि जो अभ्यर्थी पूर्व में जारी अधिसूचना के तहत आवेदन कर चुके हैं उन्हें पुन: आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। परीक्षा की अवधि दो घंटे होगी। प्रवेश परीक्षा में सामान्य वर्ग के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत तथा आरक्षित वर्ग के लिए 45 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं। सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जाएगा जहां उनके शोध प्रस्ताव और योग्यता का मूल्यांकन किया जाएगा। आवेदन शुल्क सामान्य, ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए 700 रुपये तथा एससी, एसटी एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 350 रुपये निर्धारित है।

परीक्षा केंद्रों के लिए चार शहर श्रीनगर, टिहरी, देहरादून एवं दिल्ली निर्धारित किए गए हैं। विवि ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त संख्या में आवेदन प्राप्त नहीं होते हैं तो विवि को उस केंद्र को निरस्त करने तथा संबंधित अभ्यर्थियों को अन्य केंद्र पर स्थानांतरित करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

गढ़वाल विश्वविद्यालय ने सम सेमेस्टर 2025-26 के उन छात्र-छात्राओं को परीक्षा आवेदन फार्म भरने का एक मौका दिया है जो किसी कारणवश परीक्षा आवेदनपत्र भरने से वंचित रह गए थे। विवि की ओर से जारी सूचना के अनुसार ऐसे विद्यार्थियों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने के लिए पोर्टल पुन: खोला जाएगा। विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेएस चौहान ने बताया कि यह अवसर केवल तीन कार्य दिवसों के लिए दिया जा रहा है। छात्र-छात्राएं 21 अप्रैल प्रात: 10 बजे से 23 अप्रैल शमा 6 बजे तक विलंब शुल्क 1500 रुपये के साथ परीक्षा आवेदनपत्र भर सकेंगे। उन्होंने सभी संबंधित छात्रों से निर्धारित समय सीमा में आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने की अपील की।

# कृषि मंत्री गणेश जोशी ने अपने शासकीय आवास में निकाला शहद

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने अपने शासकीय आवास में शहद उत्पादन के लिए स्थापित किए गए मधुमक्खी के बक्सों से शहद निकाला।

आज यहां प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने अपने शासकीय आवास में शहद उत्पादन के लिए स्थापित किए गए मधुमक्खी के बक्सों से शहद निकाला। उन्होंने जानकारी दी कि 30 बक्सों से लगभग 60 किलोग्राम शहद निकाला गया। उन्होंने इस कार्य के तकनीकी विशेषज्ञों से शहद उत्पादन की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। कृषि मंत्री ने कहा उत्तराखण्ड में 9000 से अधिक कृषक मधुमक्खी पालन व्यवसायिक रूप से कर रहे हैं, जिससे लगभग 3300 एमटी का उत्पादन हो रहा है। इसके अतिरिक्त कई कृषक छोटे स्केल पर भी मधुमक्खी पालन कर रहे हैं। कृषिको द्वारा मुख्यत: इन्डिका और मेलिफेरा प्रजातियों से शहद का उत्पादन किया जा रहा है। कृषि मंत्री ने बताया कि हमारी सरकार ने हर जिले में एक मधुग्राम और जनपद चम्पावत व देहरादून में दो मध ग्राम भी चयनित किये गये हैं। जोशी ने कहा कि मधुमक्खी उत्पादन से कृषक अपने आय को बढ़ा सकते हैं और यह उन कृषकों के लिए अत्यधिक लाभदायक है जिनके पास भूमि उपलब्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड में शहद के प्रसंस्करण हेतु 13 मधु प्रसंस्करण इकाईयॉ स्थापित हैं, जिनकी प्रसंस्करण क्षमता 200 मै.टन प्रतिदिन से भी अधिक है। राज्य में मौनपालन को बढ़ावा देने हेतु केन्द्रपोषित बागवानी मिशन योजनान्तर्गत 40 प्रतिशत अनुदान, राज्य सेक्टर की मधुग्राम योजनान्तर्गत 40 प्रतिशत टॉपअप प्रदान करते हुए कुल 80 प्रतिशत अनुदान से लाभान्वित किया जा रहा है। पर-परागण के लिए परिवहन पर 750 रुपये प्रति मौनबॉक्स अनुदान प्रदान किया जा रहा है। केन्द्रपोषित राष्ट्रीय मध मक्खीपालन एवं शहद मिशन योजनान्तर्गत मौनपालन से सम्बन्धित इकाई स्थापना हेतु 90 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जा रहा है। कृषि मंत्री जोशी ने कहा प्रदेश को शहद एवं सह-मौन उत्पादों के क्षेत्र में विशिष्ट स्थान दिलाने हेतु सरकार द्वारा 110 करोड़ से अधिक की लागत से मौनपालन नीति अनुमोदित की गयी है, जिसके अन्तर्गत विस्तृत वेल्यूचौन स्थापित करते हुए मौनपालकों तथा कृषकों को 80 प्रतिशत तक अनुदान से लाभान्वित करने की व्यवस्था की गयी है। उत्तराखण्ड में उत्पादित होने वाला शहद उच्च गुणवत्ता युक्त है। सरकार के विभिन्न प्रयासों के माध्यम से शहद उत्पादन के लिए किसानों को बेहतर सुविधाएं और प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

# 16 लाख की स्मैक सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

नैनीताल। बरेली से तस्करी कर लाई गयी 16 लाख 44 हजार कीमत की स्मैक सहित पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली हल्द्वानी पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशे के सामान की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को कुंवरपुर बाईपास से गौलानदी जाने वाले कच्चे रास्ते, गौलापुल काठगोदाम के पास एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया।

तलाशी के दौरान उसके पास से 54.80 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम दिलशाद पुत्र हामिद निवासी इन्द्रा नगर काबुल का गेट वार्ड नं 33 बनभूलपुरा जनपद नैनीताल बताया। बताया कि वह कक्षा 4 तक पढा है वर्तमान में बनभूलपुरा क्षेत्र में टैम्पो चलाता है उक्त स्मैक को वह इज्जतनगर, बरेली (उ0प्र0) से खरीदकर लाया था। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

# एसपी उत्तरकाशी ने किया यमुनोत्री यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण

संवाददाता

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा प्रारम्भ होने से पूर्व पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय द्वारा यमुनोत्री धाम यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर यात्रा तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का ग्राउण्ड जीरों पर जायजा लिया गया।

आज यहां 19 अप्रैल से श्री यमुनोत्री धाम एवं गंगोत्री धाम के के कपाट खुलने जा रहे हैं। चारधाम यात्रा प्रारम्भ होने से पूर्व पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय द्वारा यमुनोत्री धाम यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर यात्रा तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का ग्राउण्ड जीरों पर जायजा लिया गया। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग का निरीक्षण करते हुये भू-स्खलन एवं लैण्ड स्लाइडिंग जोन का भौतिक निरीक्षण कर वहां पर सुरक्षात्मक उपायों का आंकलन तथा भू-स्खलन जोन पर नियुक्त पुलिस बल को प्वाइंट टू प्वाइंट ब्रीफ कर 'सेवा, सुविधा व सम्मान' की थीम के अनुरुप सरल, सुगम व सुरक्षित यात्रा के निर्देश दिये गये। जानकीचट्टी तक यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण करते हुये उनके द्वारा प्रत्येक प्वाइंट पर यातायात व्यवस्था को अक्षुण्ण बनाये रखने तथा वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर पार्क करवाने के निर्देश दिये गये। यातायात का दबाव

अधिक होने पर होल्डिंग प्वाइंस पर कुछ समय के लिए पार्क करवाने तथा नैरो पैच पर वन-वे ट्रैफिक मैनेजमेंट के निर्देश दिये गये। यमुनोत्री धान के अन्तिम पडाव जानकीचट्टी रजिस्ट्रेशन केन्द्र/कुली एजेन्सी पर यात्रा से जुडे कारोबारियों तथा घोड़ा-खच्चर/डण्डी-कण्डी संचालकों की मीटिंग लेकर सभी से यात्रा के दौरान पुलिस एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं को बनाने में सहयोग की अपील की गयी। तार्थयात्रियों से अतिथि की भॉति सौम्य व्यवहार करने, अनावश्यक यात्रियों को परेशान तथा जबरन वसूली न करने की सख्त हिदायत दी गयी। रजिस्ट्रेशन केन्द्र/कुली एजेन्सी संचालकों को घोड़ा-खच्चर/डण्डी-कण्डी को निधारित पड़ाव से ही रोटेशन वार चलाने के निर्देश दिये गये। यमुनोत्री धाम पैदल मार्ग पर भीड़ बढने की स्थिति में घोड़ा-खच्चरों को वैकल्पिक मार्ग से भेजने के निर्देश दिये गये। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं की सहायता हेतु नियुक्त पुलिस व एसडीआरएफ को अलर्ट रहने तथा भीड प्रबन्ध के जरुरी निर्देश दिये गये। सुरक्षा के दृष्टिगत जानकीचट्टी से पैदल मार्ग पर सायं को निर्धारित समय के बाद यात्रियों को यमुनोत्री मंदिर न भेजे जाने के निर्देश दिये गये। यात्रा के आपराधिक गतिविधियों एवं सुगम यातायात हेतु मुख्य-मुख्य स्थानों पर सीसीटीवी व ड्रोन के माध्यम से लगातार निगरानी तथा संदिग्धो की चैकिंग व फ्रिस्किंग करने के निर्देश दिये गये। मन्दिर परिसर में यात्रियों को सुरक्षित दर्शन हेतु लाइन में लगाकर दर्शन करवाने के निर्देश दिये गये।

# महिला आरक्षण विधेयक पर सरकार की मंशा पर सवाल, लोकतंत्र की जीत:शर्मा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक पर सरकार की मंशा पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने इसे लोकतंत्र की जीत बताया।

आज यहां कांग्रेस पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर सरकार को घेरते हुए कहा कि यह मुद्दा केवल महिलाओं के आरक्षण का नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना से जुड़ा हुआ था। उन्होंने कहा, "यह महिलाओं के आरक्षण का नहीं, बल्कि लोकतंत्र का सवाल था। हम किसी भी कीमत पर परिसीमन को महिला आरक्षण से जोड़ने को स्वीकार नहीं कर सकते। यह स्पष्ट था कि इस स्वरूप में यह विधेयक पारित नहीं हो सकता। आज लोकतंत्र की बड़ी जीत हुई है।

लालचंद शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने इस "संविधान पर हमले" को लोकतांत्रिक तरीके से पराजित किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विधेयक वास्तव में महिलाओं को अधिकार देने के बजाय भारत की राजनीतिक संरचना को बदलने का एक माध्यम था। उन्होंने उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और न्याय के मुद्दे पर सरकार की प्राथमिकताएं हमेशा संदिग्ध रही हैं। लालचंद शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महिला सशक्तिकरण के पक्ष में है, लेकिन इसे किसी भी राजनीतिक या संवैधानिक चाल के साथ जोड़ना देशहित में नहीं है।

उन्होंने मांग की कि सरकार बिना किसी शर्त और बिना परिसीमन से जोड़े महिला आरक्षण विधेयक को पुन: लाए और सभी दलों के साथ व्यापक सहमति बनाकर इसे पारित कराए।

# जिहादी मानसिकता के विरुद्ध बजरंग दल का प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। जिहादी मानसिकता के खिलाफ बजरंग दल ने प्रदर्शन कर जिला अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां बजरंग दल के कार्यकर्ता जिला संयोजक कमल बिजल्वाण के नेतृत्व में जिला अधिकारी कार्यालय के समक्ष एकत्रित हुए। जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि देश में वर्तमान में व्याप्त गम्भीर चुनौतियों और समाजविरोधी गतिविधियों की ओर ध्यानाकर्षण करना चाहते हैं।

देश के सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-बिन्न करने वाली विकृत जिहादी

मानसिकता वर्तमान में राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा और सद्भाव के लिए बडा खतरा बन गया है। उन्होंने कहा कि हाल में नासित (टीसीएस) जैसी प्रतिष्ठित संस्थानों के आसपास उजागर हुए प्रकरणों से स्पष्ट है कि लव जिहाद का जाल अब सुशिक्षित समाज और व्यवसायिक क्षेत्रों तक फेल चुका है। उन्होंने कहा कि ऐसी राष्ट्र विरोधी और आपराधिक मानसिकता वाले तत्वों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध त्वरित एवं कठोरतम दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। सार्वजनिक एवं सरकारी भूमि पर हुए सभी अवैध कब्जों को तत्काल हटाया जाये। लव जिहाद और जबरन धर्मान्तरण जैसे कृत्यों को रोकने हेतु कठोर केन्द्रीय कानून लागू किया जाए। जनजातिय क्षेत्रों में हो रहे शोषण को रोकने हेतु विशेष सुरक्षा तंत्र विकसित किया जाए। उन्होंने मांग की है कि प्रशासन इस असामाजिक तत्वों पर नकेल कसे ताकि देश में शांति और सद्भाव बनी रहे।

# एनएसयूआई ने निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ किया शिक्षाधिकारी का घेराव

संवाददाता

देहरादून। निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ एनएसयूआई ने मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर घेराव कर ज्ञापन सौंपा।

आज यहां डीएवी पीजी कॉलेज पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं द्वारा मुख्य शिक्षाधिकारी कार्यालय में निजी स्कूलों की मनमानी और अनियमित फीस में वृद्धि,किताबों के रेट में मनमानी वृद्धि व साथ ही अलग अलग प्रकार की शुल्क वृद्धि के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु मुख्य शिक्षाधिकारी को ज्ञापन दिया गया।

छात्रसंघ अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा कि उत्तराखंड एक जन-कल्याणकारी राज्य है, यहाँ शिक्षा को मुनाफे का जरिया बनने से रोकना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है और अगर जल्द से जल्द इस मामले में शासन-प्रशासन द्वारा कार्यवाही नहीं की गई तो पूरा छात्रसंघ अभिभावकाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस दौरान मुकेश बसेरा, नितिन नेगी, सौरभ सेमवाल, मयंक रावत, अभिनव कफलिया, स्वयं रावत, दक्ष रावत, आर्यन भंडारी आदि कई एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# कार से टकराया ऑटो: महिला की मौत, 8 घायल

हमारे संवाददाता

नैनीताल। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक आटो के कार से टकरा जाने से जहां एक महिला की मौत हो गयी वही आठ लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मृतका के शव को कब्जे में लेकर घायलो को अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

सड़क दुर्घटना का यह मामला लालकुआँ के पास राष्ट्रीय राजमार्ग का है। यहां पर बने बेतरतीब कट में आज सुबह हल्द्वानी से लालकुआं की ओर जा रहे एक आटो की आईओसी डिपो के सामने चौराहे पर स्थित कट पर नेक्सॉन कार से जबरदस्त टक्कर हो गई, इसके बाद ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दर्दनाक हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ही परिवार के आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि लाइन नंबर 10 आजाद नगर बनभूलपुरा हल्द्वानी निवासी शोएब अपने भाई शाहरुख और अन्य परिजनों के साथ ऑटो से लालकुआं की ओर जा रहा था। आईओसी डिपो के सामने हाईवे पर बने कट को पार कर रही नेक्सॉन कार से ऑटो की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो पलट गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ऑटो में चार बच्चों समेत कुल नौ लोग सवार थे। हादसे में गफूर बस्ती निवासी रोजी पत्नी शाहरुख उम्र 28 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि शाहरुख पुत्र रफीक उम्र 35 वर्ष, उनके चार बच्चे अरहान 10 वर्ष, अर्श 8 वर्ष, उजैर 4 वर्ष और मन्नत 4 माह के साथ ही ऑटो चला रहे शोएब का पुत्र रफीक, मुकद्दस उम्र 45 वर्ष और मेहरू बी अंसारी उम्र 14 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही हल्दूचौड़ चौकी प्रभारी शंकर सिंह नयाल के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल हल्द्वानी के अस्पताल भेजा। जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

# मुख्यमंत्री ने चारधाम जाने वाली बसों को दिखाई हरी झंडी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश से चारधाम जाने वाली बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए कहा कि सुगम, सुरक्षित, सुव्यवथित यात्रा सरकार का संकल्प है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश में संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति द्वारा आयोजित चारधाम यात्रा-2026 के शुभारम्भ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने चार धाम जाने वाली बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए स्थापित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने देश भर से आए श्रद्धालुओं का उत्तराखंड में स्वागत करते हुए कहा कि चारधाम यात्रा - आस्था, साधना और आत्मा को जोड़ने का मार्ग है। यह यात्रा हर कठिनाई को पार करने की शक्ति देती है। उन्होंने कहा सरकार का संकल्प है कि यात्रा सुगम, सुरक्षित, सुव्यवस्थित और दिव्य हो। चारधाम यात्रा करोड़ों श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करती है। मुख्यमंत्री ने कहा माँ गंगा के आशीर्वाद से यात्रा हर साल नया कीर्तिमान रच रही है। मुख्यमंत्री ने कहा ऑल वेदर रोड परियोजना के अंतर्गत यात्रा मार्गों को सुगम बनाया गया है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में गौरीकुंड से केदारनाथ धाम और गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक के लिए रोपवे परियोजनाओं का कार्य भी आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा चारधाम यात्रा लाखों लोगों की आजीविका का आधार है। इसलिए यात्रा के दौरान स्थानीय उत्पादों, रोजगार और अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने यात्रियों से अधिक से अधिक स्थानीय उत्पादों की खरीदारी करने का भी आवाहन किया। कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि राज्य सरकार, यात्रियों की सुविधा, सुगमता और स्वास्थ्य को लेकर पूरी संवेदनशीलता से कार्य कर रही है। उन्होंने यात्रियों से निवेदन करते हुए कहा कि सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी का अवलोकन अवश्य करें। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक प्रेमचंद्र अग्रवाल, मेयर शंभू पासवान, अध्यक्ष हेमकुंड गुरुद्वारा ट्रस्ट नरेंद्रजीत बिंद्रा, भास्करानंद भारद्वाज, जितेंद्र नेगी, अजय सिंह, मनोज ध्यानी, संजय शास्त्री, भोपाल सिंह नेगी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

# प्रधानमंत्री मोदी आज रात 8.30 बजे देश को संबोधित करेंगे

हमारे प्रतिनिधि

नई दिल्ली। देश में महिला आरक्षण बिल पर मचे घमासान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रात 8.30 बजे देश को संबोधित करेंगे। अभी तक सरकार की तरफ से साफ नहीं हुआ है कि पीएम मोदी किस मुद्दे पर देश को संबोधित करेंगे, लेकिन सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी आज महिला आरक्षण बिल से जुड़े संविधान का 131वां संशोधन विधेयक के बारे में बात कर सकते हैं। विपक्ष की वजह से सरकार लोकसभा में इसे पास नहीं करवा पाई है और ये बिल 54 वोटों से गिर गया।

आज हुई कैबिनेट की बैठक के दौरान पीएम मोदी ने विपक्ष पर दोषी होने और महिलाओं के लिए आरक्षण बिल का समर्थन न करके महिलाओं के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया है। प्रधानमंत्री ने कैबिनेट बैठक में विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि लोकसभा में बिल का गिरना सरकार की हार नहीं, बल्कि देश की महिलाओं को मिलने वाले अधिकारों का विरोध है। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने इस मुद्दे को सीधे महिलाओं के सशक्तिकरण से जोड़ते हुए विपक्ष की मंशा पर सवाल उठाए। सरकार की तरफ से अभी ये नहीं बताया गया है कि पीएम किस विषय को लेकर देश को संबोधित करेंगे, लेकिन जाहिर है कि देश के सियासी माहौल को देखते हुए यही कयास लगाए रहे हैं कि महिला आरक्षण को लेकर संविधान संशोधन विधेयक के लोकसभा में गिर जाने के मुद्दे पर बात कर सकते हैं। कैबिनेट बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक का समर्थन न करना विपक्ष की बड़ी राजनीतिक भूल है। उनके अनुसार यह कदम महिलाओं को उनका हक देने से इनकार करने जैसा है। उन्होंने जोर दिया कि इस रुख का असर आने वाले समय में विपक्ष को भुगतना पड़ेगा।

प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर वे वास्तव में महिलाओं को आरक्षण देना चाहते थे तो पिछले 50 वर्षों में उन्होंने ऐसा कदम क्यों नहीं उठाया। उन्होंने इसे विपक्ष की नीयत पर सवाल खड़ा करने वाला मुद्दा बताया है। पीएम मोदी ने चेतावनी दी कि महिला आरक्षण विधेयक का विरोध करने का राजनीतिक नुकसान विपक्ष को उठाना पड़ेगा। उनके मुताबिक जनता इस मुद्दे को गंभीरता से देख रही है और इसका असर चुनावी राजनीति पर भी पड़ेगा।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

*प्रधान संपादक*
**कांति कुमार**

*संपादक*
**पुष्पा कांति कुमार**

*समाचार संपादक*
**आनंद कांति कुमार**

**कानूनी सलाहकार:**
**वी के अरोड़ा, *एडवोकेट***
**बैजनाथ, *एडवोकेट***

**कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।**
**मो. 9358134808**

*नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।*